

्र असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड ३—स्प-सण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₩ 211]

नई दिल्ली, सोमबार, अप्रैल 28, 1986/वैशाख 8, 1988

No. 2111

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 28, 1986/VAISAKHA 8, 1988

इस भाग में भिन्न पष्ठ संस्था वो जाती हैं जिससे कि यह असग संसलन के रूप में रक्षा जा सके

Suparate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate complication

विस मंत्रालय (राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 38 अप्रैल, 1986 ,

अधिसूचनाएं

सं. 365/86 संभा-मुल्क

सा. का. नि. 684 (क) :---केन्द्राय सरकार, से.मा-मुल्क अधिनियम, 196? (196? का 52) की धारा 25 की उपधारा (1)
ढारा प्रदत्त ककितयों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि
लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सामा मुल्क टैरिफ अधिनियम,
1975 (1975 का 51) का पहला अनुसूचा के अध्याय 28 के अन्तर्गत
अपने बाले लैम्प काजल और कार्जन काजल को, जब भारत में उसका
अधान मुद्रण स्थाह, या काले पेन्टों (जिन्हे इसमें इसने पश्चात् आयातित
माल कहा गया है) के विनिर्धाण के लिए किया जाए, उक्न पहल, अनुसूची
में विनिद्ष्टि के अनुसार उन पर उद्ग्रहणाय समा मुल्क के उतने भाग से
जितना मूल्य के 55 प्रतिशन से अधिक है, इस शर्त के अधन रहते
हुए छूट देता है कि आयातकार्ता इस आग्रय का वचन पत्र प्रस्तुत करता
है कि :---

- (क) उक्त आयातित माल का प्रयोग उत्पर विनिर्दिष्ट प्रयोजन लिए किया जाएगा,
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त आयातित माल का हिमाब सहायक संभा शुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट राति से रखा जाएगा;
- (ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता हारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संक्षिप्ति उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में 3 मास का अविधि या ऐसा बढ़ाई गई अविधि को भीतर, जो सहायक सामा-शुल्क कलक्टर अनुजात करे, प्रस्तुत करेगा ; और
- (घ) वह, ऊपर का कर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने का दका में, माग किए जाने पर, उनना रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतिकट छूट के न दिए जाने का दका में उक्त आयातित माल का ऐसा माता पर उद्ग्रहणाय शुल्क और आयात के समय पहले हा संदन शुल्क के अतर के बराबर हो।

[फा. सं. 528/5/86-सः. मृ. (टा. यू. /)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)
New Delhi, the 28th April, 1986
NOTIFICATIONS

No. 265|86-CUSTOMS

G.S.R. 684(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts lamp black and carbon black falling within Chapter 28 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of printing ink or black paints (hereinafter referred to as the imported goods), from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, as is in excess of 55 per cent ad valorem, subject to

the condition that importer furnishes an undertaking

to the effect that:-

- (a) the imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner spedified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing the receipt of the imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

[F. No. 528|5|86-CUS(TU)]

सं. 266/86-सीमा-भूल्क

सा. का. नि. 685 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, से मामुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 5?) की द्यारा 25 की उपद्यारा (1)
हारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हए, यह समाधान हो जाने पर कि
सोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, से मा-मुल्क टैरिफ अधिनियम,
1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 37 के अंतर्गत
आने वाली रंगीन जम्बी फिल्मों को, जब भारत में उनका आयात रंगीन
सिने फिल्मों के प्रसंस्करण के लिए किया जाए, उक्त अनुसूची में विनिधिष्ट
के अनुसार उस पर उद्ग्रहणीय सी मा-गुल्क के उतने भाग से छूट देती
है जितना मृत्य के 50 प्रतिगत से अधिक है परन्तु यह तब जब आयातकर्ता इस आग्रय का वचनपन प्रस्तुत करता है कि—

- (क) उनत रंगेन जम्बो फिल्मों का प्रयोग उत्पर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ; और
- (ख) वह, ऊपर (क) का अनुपालन करने में असफल रहने का दशा में, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा

षो इस अधिसूचना में अंतिविष्ट छूट न दिए जाने का दशा में अक्त आयातित माल का ऐसा माला पर उद्ग्रहण य शुल्क और आयात के समय पहले हां संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुत्य हो।

[फा॰ सं. 523/5/86-सः. सु. (टः. यू.)]

No. 266 86-CUSTOMS.

G.S.R. 685(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts colour jumbo films falling within Chapter 37 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for processing into colour cine films, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of 50 per cent ad valorem:

Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said colour jumbo films shall be used for the purpose specified above; and
- (b) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein, and that already paid at the time of importation.

[F. No. 528]5]86-CUS(TU)]

सं :: 67/8 6-स मा-शुल्क

सा. छा. ति. 686 (अ) :—केन्द्रेय सरकार, समा मुल्क अधिनियम, 196? (196? का 5%) कः घारा 25 को उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, समा-मुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) क पहला अनुसूच के अध्याय 39 के अंतर्गत आने वाले सेलुलीस ऐसटेट प्रणी (फ्लेक) को, जब भारत में उनका आयात सेलुलीस ऐसटेट ढालने के दानों के विनिर्भाग के लिए किया जाए, उक्त पहली अनुसूच में विनिर्दिष्ट के अनुसार उस पर उद्बह्णाय संमा-मुल्क के उतने भाग से खूट देत है जितना मूल्य के 50 प्रतिशत की दा पर संगणित रकम से अधिक है, परन्तु यह तब जब आयातफर्ता इस आग्रय का वचनपत्न प्रस्तुत करता है कि—

- (क) उनत आयातित माल का प्रयोग उत्पर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ; और
- (ख) बह, ऊपर (क) को अनुपालन करने में असफल रहने क. दणा में, माग किए जाने पर, उतन रक्षम का मंदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अर्ताविष्ट छूट न दिए जाने क. दगा में उक्त आयातित माल क. ऐस माला पर उद्यहण य शुक्क और आयात के समय पहले हा संइत्त शुक्क के अन्तर के समतुस्य हो।

[फा. सं. 528/5/86-सः. स्. (टा. यू.)]

No. 267 86-CUSTOMS

G.S.R. 686(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts Cellulose Acetate Flakes, falling within Chapter 39 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) when imported into India for the manufacture of cellulose acetate moulding granules, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of 50 per cent ad valorem:

Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above; and
- (b) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein, and that already paid at the time of importation.

[F. No. 528|5|86-CUS(TU)]

सं. 268/36-सीमा-गुल्क

सा.का.ति. 637 (व):—केन्द्रीय सरकार, सीमा-मुल्क, अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की जपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिलतीं का प्रयोग करते हुए, यह समाधान ही जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, इससे उपाबद्ध सारणी के स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट और स.मा-मुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के उस अध्याय संख्यांक के अन्तर्गत आने वाले माल की जो उक्त सारणी के स्तंभ (2) में तत्संबंधा प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, तब जब एक्स-रे इंगज संचनन प्रणाला के विनिर्माण हेत, भारत में उसका आधात किया जाए, द्वितीय उहिलखित अधिनियम का उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट के अनुसार उस पर उद्ग्रहणीय सीमा मुक्क के उतने भाग से छूट देती है जितना मूल्य के 40 प्रतिणत से अधिक है:

परम्तु यह तब जब आयातकर्ता इस आश्रथ का वचनपढ प्रस्तुत करता है कि---

- (क) उमत आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्विच्ट प्रयोजनों के लिए किया जाएगा ; और
- (ख) वह, ऊपर गर्त (क) का अनुपालन करने में असफल रहने की दला में, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट क न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसा माता पर उद्दुह्मणीय शुक्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुक्क के अंतर के कराबर हो !

सारणः			
कम सं.	सःया-मुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 कः पहलः अनुसूचः का अध्याय सं.	माल का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	
1.	अध्याय ४5	एक्स-रे इमेज संघनन ट्यूब	
2.	अध्याय ८५	एक्स-रे इमेज वितरक बोपटिक	
3.	अध्याय १०	50 एम एम 0.95 उच्च गात लेंस	

[फा. सं. 528/5/86-सः. सु. (ट. यू.)]

No. 268|86-CUSTOMS

G.S.R. 687(E).—In exercise of the powers confered by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in column (3) of the Table hereto annexed and falling within Chapter No. of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, when imported into India for the manufacture of X-ray image intensifier system from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule to the second mentioned Act, as is in excess of 40 per cent ad valorem:

Provided that the importer furnishes an undertaking to ,the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above; and
- (b) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein, and that already paid at the time of importation.

SI. No.	Chapter No. of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975	Description of goods
(1)	(2)	(3)
1.	Chapter 85	X-ray image intensifier Tube
2.	· Chapter 85	X-ray image Distributer optics
3.	Chapter 90	50 mm 0.95 high speed lens

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

सं. 269/86-सीमा-शुस्क

सा. का. नि. 638 (अ) :—केन्द्रिय संग्कार, सीमा-शुस्क अधि-नियम, 1962 (1962 का 52) का भाग 25 को उपक्रारा (1) द्वारा प्रवत्त श्रवित्तयों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में एसा करना आवश्यक है, डा. डा. टी. निमितियों को (75 प्रतिशत जस में परिक्षेपणीय चूर्ण 75 प्रतिशत ज. पि. चू.) तक उसन, भारत में आयात लोक स्वास्थ्य प्रयोजनों के लिए केवल राष्ट्रीय मलेरिया उन्मुलन कार्यक्रम में प्रयोग के लिए किया जाए,—

- (क) समा-मुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) क पहल अनुसूच के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण समा-मुल्क से : और
- (ख) द्वित य उल्लिखित अधिनियम क. धारा 3 के अध न उस पर उद्ग्रहण य सम्पूर्ण अतिरिक्त शुल्क से, छूट देतः है:

परन्तु यह तब, जब आयातकर्ता इस आणय का एक वचनपत्र प्रस्तृत करतः है कि---

- (क) उक्त ड.. ड.. ट. निर्मितियों का प्रयोग लोक स्वास्थ्य प्रयोजनों के लिए केवल राष्ट्रत्य मलेरिया उन्भूलन कार्यक्रम में किया जाएगा , और
- (ख) वह, अपर (क) का अनुपालन करने में असफल रहने कः दशा में, मांग किए जाने पर उतन रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अर्ताविष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उनत आयातित माल कः ऐस. माझा पर उद्ग्रहणाय शुल्क और अध्यात के समय पहले हा संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य है।

[फा. सं. 528/5/86-सः. मु. (टा. यू.)]

No. 269|86-CUSTOMS

G.S.R. 688(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts D.D.T. formulations (75 per cent water dispersible powder—75 per cent w.d.p.), when imported into India for use exclusively in the National Malaria Eradication Programme for public nealth purpose, from—

- (a) the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975); and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act:

Provided that the importer furnishes an underaking to the effect that—

- (a) the said D.D.T. formulation shall exclusively be used in the National Malaria Eradication Programme for public health; and
- (b) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

[F. No. 528|5|86-CUS(TU)]

सं. 370/86-सं मा-गुल्क

सा. का. नि. 689 (अ) — केन्द्रीय सरकार, ही मा-शुल्क अधि-नियम, 196? (196? का 5?) की धारा 25 की उपधारा (1) है। रा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए. यह समाधान हो जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना आवश्यक है, समाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 39 के अंतर्गत आने वाले पोतिटेट्रा फ्ल्पूकः थाईकः, ने टेपों को, जब पातिटेट्रा फ्ल्यूक थाईकः, ने लेपिन तारों या पालिटेट्रा फ्ल्यूक थाईल ने लेपित केबलो. ▲या दोनो, के वितिशणि के लिए भारत में उनका आयात किया जाए,---

- (क) उक्त पहल अनुसूच, में विनिद्धिः के अनुसार उन पर उद-ग्रहणाय सामा-शुक्त के उनने भाग से जितना मूल्य के 75 प्रतिश्वत से अधिन है , और
- (ख) उक्न द्वितीय उल्लिखित अधिनियम की धारा 3 के अधिन उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण अतिरिक्त शुरुक से ;

इस गर्त के अधीन रहते हुए छूट देती कि आयातकर्ता इस आशय का बचनपत्र प्रस्तुत करता है कि---

- (क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोगनों के लिए किया जाएगा ;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्नाण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त आयानित माल का हिनाब सहायक सीमा-शुक्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा ;
- (ग) वह ऐसे हिसाब को विनिर्माता द्वारा सम्यक रूप से प्रमाणित संक्षिप्ति उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान के परि-सर में प्राप्ति के साध्य के रूप में तीन मास की अविध या ऐसी बढ़ाई गई अविध के भीतर जो सहायक सोमा-शुल्क कलकटर अनुजात करें, प्रस्तुत करेंगा ; ओर
- (घ) वह, ऊपर की मतं (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असकत रहते की दमा में, माग किए जाने पर, उतने रक्षम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दमा में उक्त आयातित माल का ऐसा माता पर उद्ग्रहणाय शुरूक आर आयात के समय पहले हैं। संदत्त शुरूक के अन्तर के बराबर हो।"

[फा. सं. 528/5/86--सी. शु. (टी यू.)]

No. 270 86-CUSTOMS

G.S.R. 689(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts Polytetra Flueroethylene Tapes falling within Chapter 39 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of Polytetra Flueroethylene insulated wires or Polyetra Flueroethylene insulated cables, or both, from:—

- (a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the said First Schedule, as is in excess of 75 per cent ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act;

subject to the condition that the importer furnishes an undertaking to the effect that:—

(a) the said imported goods shall be used for the purposes specified above;

- (c) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

[F. No. 528|5|86-CUS(TU)]

सं. 271 /86 सीमा-मुल्क

सा. का. ति. 690 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा मुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) हारा
प्रवत्त मिनतों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान ही जाने पर कि लोकहित में ने सा करता आवश्यक है, सीमा मुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975
(1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 20 के अंतर्गत आमे
बाले माल की, जब भारत में उनका आयात क्लोरेमफेनीकोल चूर्ण या
क्लोरेमफेनीकन पामीटेट्र के विनिर्माण के लिए किया जाए, उक्त पहली
अनुसूची में विनिर्दिष्ट के अनुसार उस पर उद्ग्रहणीय सीमा मुल्क के उतने
माग से छूट देनों हैं जितना मूल्य के 60 प्रतिशत की दर पर संगणित
रकम से अधिक हैं:

परन्तु यह तब जब आयातकर्ता इस आशय का वचनपत्र प्रस्तुत करता है कि---

- (क) उक्त माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा; भीर
- (खा) वड्, ऊपर (क) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, माग किए जाने पर उतने रकम का संदाय करेगा जो इस अधितूचना में अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने की दशा में आयातित माल की ऐसी माला पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य ही।

अनुसूची

- 1. एल--आधार
- 2. आर--आधार
- 3. एस--आञ्चार

[फा. सं. 528/\$/86-सी.मू.(टो.मू.)]

No. 271 86-CUSTOMS

G.S.R. 690(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in the Schedule below, falling within Chapter 29 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of

1975), when imported into India for the manufacture of chloramphenicol powder or chloramphenicol palmitate, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of 60 per cent ad valorem:

Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above; and
- (b) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein, and that already paid at the time of importation.

SCHEDULE

- 1. L-Base.
- R—Base.
- 3. S-Base.

[F. No. 528|5|86-CUS(TU)]

सं. 272/86 सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 691 (अ):—केन्द्रीय सरकार सीमा मुल्क अधिनियन, 196? (196? का 52) की घारा 25 की उपधारा (1) द्वारा
प्रदत सिन्तरों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक
हिं। में नेता करना आवश्यक है, लीड मीम की ट्यूबों बोर राडों को, तब
जब तियु नैयों आर पत्रोरोजेट ट्यूबों के लिए सबटकों के विनिर्माण
हेतु बारत में उनका आयात किया जाए सीमामुल्क टैरिफ अधिनियम,
1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूत्रों में विनिर्दिष्ट के अनुसार
उन पर उद्श्रहणीय सीना मुल्क के उनने भाग से छूट देती है जितना
मूल्य के 40 प्रतिशत से अधिक है:

परन्तु यह तब जब अध्यातका इन आशान का ववन पत्र प्रस्तुत करताहै कि--

- (क) उका आयातित माल का प्रयोग कवर विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए किया जाएगा, ओर
- (ख) वह, उपर का शर्त (क) का अनुपाला करने में असफल रहने की दता में, मान किए जाने पर, उतने रहन का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अन्तर्निष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मान्ना पर उद्ग्रहणीय शुल्क बीर आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अंतर के बराबर हो।

उ. यह अविपूत्रता 30 सितम्बर 1986 तक जिसमें यह तारीख भी है, प्रवृत्त रहेगी ।

[फा. सं. 528/5/86 सी.मू.(टी.यू.)]

No. 272|86-CUSTOMS

G.S.R. 691(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts lead glass tubings and rods, when imported into India for the manufacture of

components for electrical lamps and fluorescent tubes, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) as is in excess of 40 per cent ad valorem:

Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above; and
- (b) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein, and that already paid at the time of importation.
- 2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 30th day of September, 1986.

[F. No. 528|5|86-CUS(TU)]

सं. 273/86 सीमा शुल्क

सा. का. नि. 692 (अ) :--केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधि-नियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधाम हो जाने पर कि मोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के राजस्य और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं. 158 सीमा शुल्क तारीख 2 अगस्त, 1976 में निम्नलिखित और संसोधन करती है, अर्थात्:---

उक्त अधिसूचना में प्रथम परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:---

"परन्तु यह तब जबिक आयातकर्ता इस आगय का वचनबन्ध प्रस्तुत करता है कि---

- (क) उक्त आयातित माल का उपयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर अभिप्राप्त और उपयोग में लाए गण उक्त आयानित मात का लेखा सीमा शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा.
- (ग) वह विनिर्माण के स्थान को परिसर में उकत आयातित माल की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक रूप से अभिप्रमाणित किए गए ऐसे लेखों का उद्धारण 3 मास की क्षत्रधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमा मुक्क सहायक कलक्टर अनुजात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह, वर्त ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दक्षा भें, माग किए जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा को इस अधिभूकना में अंतींबष्ट छूट न दिए जाने की दक्षा में उक्त आयातित ऐसी माना पर उदग्रहणीय शुस्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुस्क के अन्तर के समतुल्य ही ।

[फा. सं. 528/5/86-सी.शु.(टी.यू.)]

No. 273|86-CUSTOMS

G.S.R. 692(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs

Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 158-Customs, dated the 2nd August, 1976, namely:—

In the said notification, for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

'Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow, and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528|5|86-CUS(TU)]

सं० 274/86-सीमा-शुल्क

सा का०नि० 693(ग्र):—केन्द्रीय संरकार, सीमा-शुल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, ग्रपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना, ग्रावश्यक है, भारत संरकार के राजस्व और वैकिंग विभाग की ग्रिधिमूचना सं 217-सीमा-शुल्क, तारीख 2 ग्रागस्त, 1976 में निम्नलिखित और संबोधन करती है, ग्रथितः—

उपत मिधसूचना में, परन्तुक के स्थान पर, निम्निसिखित परन्तुक रखा कायेगा, ग्रर्थात्:---

"पटन्तु यह तब जब ग्रायातकर्ता इस ग्रामय का वचनवद्ध पश्च प्रस्तुत करता है कि --

- (क) उक्त ग्रायातित मान का प्रयोग ऊपर निर्निष्ट प्रयोजन के लिये किया जायेगा;
- (च) उपर्युक्त प्रयोजन के लिये निर्तिर्माण के स्थान पर प्राप्त किये गये और उपयोग में साये गये उक्त द्यायातित माल का हिसाब सहायक सीमा-गुल्क कमक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा;
- (ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संक्षिप्त उक्त श्रायातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में 3 माल की श्रवधि या ऐसी बढ़ाई गई श्रवधि के भीतर, जो सहायक सीमा-शुक्क कलक्टर शनुज्ञात करें, प्रस्तुत करेंगा; सौर

(घ) वह, ऊपर शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में झसफल रहने की दशा में, मांग कियें जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट

के न दिये जाने की दशा में उनत झायातित मान की ऐसी माला पर उद्ग्रहणीय शुक्क बीर झायात के समय पहले ही सदत्त शुक्क के झन्तर के समतुख्य हो।

[फा॰ सं॰ 528/5/86-सी॰ मु॰ (टी॰ यू॰)]

No. 274|86-CUSTOMS

G.S.R. 693(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 217-Customs, dated the 2nd August, 1976, namely:—

In the said notification, for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that-

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation".

[F. No. 528|5|86-CUS(TU)]

सं ० 275/86-सीमा-शुल्क

सा०का०नि० 694(ज):—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपघारा (1) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, घपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना शावश्यक है, भारत सरकार के राजस्य और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं० 389-सीमा-शुल्क, तारीख़ 2 ग्रगस्त, 1976 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, ग्रयाँत्:—

उक्त ग्रधिसूचना में, परन्कृ के स्थान पर, निम्निजिखित परन्तुक रखा जायेगा, ग्रथीत :-- ''परन्तु यह तब जब भागातकर्ता इस भागय का वचन-पन प्रस्तृत करता है कि--

- (क) उक्त ग्रायातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिये किया जायेगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गये भीर उपयोग में लाये गये उक्त भ्रायातित माल का हिसाब सहायक सीमा गुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा:
- (ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संक्षिप्ति उक्त ग्रायातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में 3 मास की ग्रवधि या ऐसी बढ़ाई गई ग्रवधि के भीतर, जो सहायक सीमा शुल्क कलक्टर ग्रनज्ञात करे, प्रस्तृत करेगा; और
- (घ) वह, ऊपर मर्ता (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किये जाने पर, जतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अन्तिविष्ट छूट के न दिये जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी माता पर उद्ग्रहणीय शुल्क भीर आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समत्त्य हो।"।

[फा॰ सं॰ 528/5/86-सी॰म् ॰ (टी॰मू॰)]

No. 275|86-CUSTOMS

G.S.R. 694(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking, No. 389|76-Customs dated the 2nd August 1976, namely:—

In the said notification, for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation".

[F. No. 528|5|86-CUS(TU)]

सं॰ 276/86-सीमा शुल्क

सांकां निं 695(ग्रं): -- केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 को 52) की घारा 25 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना ग्रावश्यक है, भारत सरकार के राजस्व ग्रीर बैकिंग विभाग (राजस्व खण्ड) की श्रिधिसूचना सं 114-सीमा भुल्क, तारीख 1 जुलाई, 1977 में निम्नलिखित संशोधन करती है, क्षीत्:--

उक्त ग्रधिसूचना मे, परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तुक रखा जायेगा, ग्रयीत्:--

"परन्तु यह तब जब भ्रायातकर्ता इस भ्रामय का वचन-पत्न प्रस्तुत करता है कि--

- (क) उक्त संघटक पूजी का प्रयोग ऊपर विनिदिष्ट प्रयोजन के लिये किया जायेगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिये विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त कियें गये ग्रौर उपयोग में लायें गयें उक्त संघटक पूर्जें का हिसाब सहायक सीमा शुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा;
- (ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित सिक्षप्त उक्त संघटक पुर्जी के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में 3 मास की ग्रविध या ऐसी बढ़ाई गई ग्रविध के भीतर, जो सहायक सीमा शुल्क कलक्टर ग्रनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने मे असफल रहने की दशा में, मांग किये जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में धन्तिविष्ट छूट के न दिये जान की दशा मे उन्त शायातित माल की ऐसी माद्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले हो संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।"

[फा॰ सं॰ 528/5/86-सो॰सु॰(टो॰सू॰)

No. 276 86-CUSTOMS

G.S.R. 695(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking (Revenue Wing) No. 114-Customs, dated the 1st July, 1977, namely:—

In the said notification, for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said component parts received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said component parts in the

- premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528|5|86-CUS(TU)]

सं० 277/86-सीमा-शुल्क

सा॰का॰नि॰ 696(म्र):—केन्द्रीय सरकार, सीमा मुल्क म्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्ष मित्रयों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित मे ऐसा करना आवश्यक है, भारत मरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की म्रधिसूचनासं० 39-सीमा-मुल्क, तारीख 15 फ रवरी, 1979 में निम्नलिखित और समोधन करती है, अर्थात्:—

जन्त ग्रधिसूचना में, शर्त (ii) के स्थान पर निम्नलिखित कर्त रखी जायेगी/रखा जायेगा, ग्रथित्:---

- "(ii) ब्रायातकर्ता निम्नलिखित श्रायय का वचन-पत्न प्रस्तुत करेगा--
- (क) उक्त संबटित पुर्जी का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के रिए किया जायेगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिये विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किये गये ग्रीर उपयोग में लाये गये उक्त संघटित पुजी का हिसाब सहायक सोमाशुक्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा;
- (ग) वह ऐसे हिशाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संक्षिप्ति उक्त मंघटित पूजों के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की घविष्ठ या ऐसी बढ़ाई गई अविध के भीतर, जो सहायक सीमाणुस्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह, उत्पर ही गर्स (क), (ख) या (॥) का प्रमुपालन करने में ग्रसफल रहने की दशा में, माग किये जाने पर, उतने रकम का संदाय करेगा जो इस ग्रधिसूचना में ग्रन्तिविष्ट छूट के न दिये जाने को दशा में उक्त ग्रायातित माल की ऐसी माता पर उद्गहणीय शुक्क और ग्रायात के समय पहले ही संदत्त भूक्क के ग्रन्तर के बराबर हो।"।

[फा॰ सं॰ 528/5/86-सी॰शु॰ (टी॰यू॰)]

No. 277 86-CUSTOMS

G.S.R. 696(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department

of Revenue) No. 39-Customs dated the 15th February, 1979, namely:—

In the said notification for the condition (ii), the following condition shall be substituted, namely:—

- "(ii) the importer furnishes an undertaking to the effect that—
 - (a) the said component parts shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said component parts received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said component parts in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goc is but for the exemption contained berein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528]5186-ChstTU11

मं ० 278/8 ६-सीमा-शुरूक

ना०का०नि० 697(का) :--केन्द्रीय मरकार, सीमाझूल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की जारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते दूए. यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में रैसा करना प्रावश्यक है, भारत सरकार के वित्त संज्ञालय (राजस्य विभाग) की ग्रधिसूचना सं० 45---सीमागुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 में निम्नलिखित भीर संभोधन करनी है, भ्रषति :---

उक्त अधिमूचना में, दूसरे परन्तुक के स्थान पर निम्मलिखित परन्तुक रखा कायेगा, अवित्:----

''परन्तु यह श्रीर कि जब आयातकर्ता निम्नलिखित आक्रय का बचन-पन्न प्रस्तृत भरता है---

- (क) उक्त क्रायांतित माल ना प्रयोग उत्तर निर्निदेश्ट प्रयोजन क लिये सिना जायेगा,
- (ख) उपर्युक्त प्रयाजन के लिये विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किये गये और उपयोग में लाये गये उक्त द्वायातित माल का हिसाब सहायफ सीमांगुल्क करावटर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा,
- (ग) वह ऐसे तिलाब की निनिर्माता द्वारा सरदक् रूप में प्रमाणित मंशिप्त उनत शायातित माल के विनिर्माण वे स्थान के परिनर में प्राप्ति के साध्य के रूप में नीन मास की शबीब या ऐसी बढ़ाई गई शबीद के भीतर, जो सहामक सीमामुल्क कलनटर अनुसात करें, प्रस्तुत करेंगा; श्रीप

(घ) बहु, ऊषर की कर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपासन करने म अनफल रहने को दक्षा में, माग किये जाने पर, उतने रकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अन्तिविष्ट छूट के न दिये जाने की दक्षा में उत्तत धायातिस मीं की पैसी माजा पर उद्महणीय शुल्क और धायात के समय पहले ही संदत्त गुल्क के अन्तर के करावर हो।"।

[फा॰ स॰ 528/5/86-सी॰शु॰(टी॰यु॰)]

No. 278186-CUSTOMS

G.S.R. 697(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 45-Customs, dated the 1st March, 1979, namely:—

In the said notification, for the second proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided further that the importer furnishes an undertaking to the effect that:—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified in the first proviso;
- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing the receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture shall be produced within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow:
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 52815]86-Cus(TU)1

मं० 279/86-मीमा-ज्ल

माण्याश्वित 698(म्र):--केन्द्रीय सरकार. मीमान्युल्क प्रवितियम, 1962 (1962 का 52) की बारा 25 की उपवारा (1) द्वारा प्रदत्त मिनवी का प्रयोग करते हुए, धपता यह समाधन हो जाने पर कि लोकित में ऐसा करना प्रावश्यक है. भारत मरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की ग्रविष्चना सं० 64-मीमान्युल्क, मारीख 6 मार्च 1979 में निम्नलिखित भौर संमोधन करती है, ग्रथर्त, :--

उत्त मिन्निक्त में, परन्तुक के स्थान पर, निम्निलिकिन परन्तुक रखा जाएगा, क्रमतिः

136 GI/86-2

''परन्तु यह तब जब भ्रायातकर्ता इस भ्रामय का वचन-पन्न प्रस्तुत करता है कि--

- (क) उक्त ग्रायातित माल का प्रयोग कपर जिनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिये किया जायेगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिये विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किये गये ग्रौर उपयोग में लाये गये उक्त ग्रायातित माल का हिमाब सहायक सीमाशृल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा;
- (ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संक्षिप्ति उक्त ग्रायातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में 3 मास की भ्रविध या ऐसी बढ़ाई गई भ्रविध के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर भ्रनुशात करें, प्रस्तुत करेंगा; भ्रीर
- (घ) वह, ऊपर शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किये जाने पर, उतने रक्षम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अन्तिविष्ट छूट के न दिये जाने की दशा में उनत आयातित माल की ऐसी माला पर उद्गहणीय शुल्क और धायात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।"।

[फा॰ सं॰ 528/5/86-सी॰शु॰(टी॰यू॰)]

No. 279 86-CUSTOMS

G.S.R. 698(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 64-Customs, dated the 6th March, 1979, namely:—

In the said notification, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said imported good; received and consumed in the rlace of manufacture for the aforesaid purpose; shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable or such quantity of the said imported goods

but for the exemption contained here and that already paid at the time of importation.".

[F. No. 528|5|86-Cus(TU)]

सं॰ 230/86-सीमा-शुल्क

सा०का० नि० 699(अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क ब्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह नमाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना झावश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंज्ञालय (राजस्व विभाग) की झिंधसूचना सं० 138-सीमाशुल्क, तारीख 27 जून, 1979 में निस्नलिखित और संशोधन करती है, ध्यात्:—

उनत ग्रधिसूचना में, शर्त (2) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जायेंगी, शर्यात्:---

- "(2) परन्तु यह तब जब ग्रायातकर्ता निम्निन्छित ग्राज्ञय का बचन-पत्न प्रस्तृत करेगा--
 - (क) उक्त वरी गैंच शीव स्टैंग रहित स्पिंडिल गित रे यूलेटर के भ्रायातित पुर्जों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट्र प्रयोजन के लिये किया जायेगा;
 - (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिये चिनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किये गये प्रौर उपयोग में लाये गये उक्त कैरी पैच की वस्टैप रहित स्पिडिल गति रेग्युनेटर के झायातित पुर्जी का हिसाब सहायक सीमाजुलक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा;
 - (ग) वह ऐसे हिमाब को विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमणित संक्षिप्त उक्त वैरो पैंच फीव स्टैप रहिन रिपंडिल गति रेग्युनेटर के ग्रायातित पुर्जों के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन माश को भ्रवि या ऐसी बढ़ाई गई शविध के भीतर, जो सहायक सोमागुल्क कलक्टर ग्रनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; भ्रौर
 - (घ) वह, ऊपर की मर्त (क), (ख) या (ग) का प्रनुपालन करें में प्रक्षित रहने को दमा में, मांग किये जाने पर, उत्तरे रक्षि का संग्रा करेगा जो इस ब्रियिचना में प्रन्तिष्ट छूट के न दिये जाने की दसा में उक्त ग्रायतित भाल की ऐसा भाव। पर उद्घ्रहणीय शुक्त ग्रीर ग्रायात के समय पहले हा संदत्त शुक्त के ग्रन्तर के बरावर हो।"

फा० सं० 528/5/86-सो०शु०(टा०यू०)]

No. 280|86-CUSTOMS

G.S.R. 699(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Cus.oms Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 138179-Customs dated the 27th June, 1979, namely:—

In the said notification, for condition (2), the following condition shall be substituted, namely:--

- "(2) The importer furnishes an undertaking to the effect that--
 - (a) the said imported parts shall be used for the purpose specified above;

- (b) an account of the said imported parts received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported parts in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained berein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528|5|86-Cus(TU)]

सं. 281/86-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 700(म्र) — केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क म्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना मावश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की म्रधिसुचना सं. 103-सीमाशुल्क, तारीख 1 भ्रप्रैंस, 1981 में निम्तलिखित भीर संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:—

"वरन्तु यह तब जब प्रायातकर्ता निम्नलिखित श्राशय का वचनपद्म प्रस्तुत करता है—

- (क) उक्त भाषातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में साए गए उक्त भ्रायातित माल का हिसाब सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा;
- (ग) वह ऐसे हिंसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संक्षिप्त उक्त प्रायातित माल के विनिर्माण के स्थान पर के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की अविधि या ऐसी बढ़ाई गई अविधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अनुजात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) बह, ऊपर की मतं (क), (ख) या (ग) का श्रनुपालन करने में श्रसफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतने रकम का संदाय करेगा जो इस श्रिध्सचना में अंतर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दशा मे उक्त श्रायातित माल की ऐसी माला पर उद्ग्रहणीय शुल्क और श्रायात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के श्रन्तर के ब्रावर हो।"

[फ़ा.सं. 528/5/86-सी.स्. (टी.स्.)]

No. 281|86-CUSTOMS

G.S.R. 700(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 103-Customs, dated the 1st April, 1981, namely:—

In the said notification, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

- "Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—
 - (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goc but for the exemption contained herein and that already paid at the time importation."

[F. No. 528]5|86-Cus (TU)]

सं. 282/86--सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 701(म्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क म्राधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिनायों का प्रयोग करने हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना धावश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) • प्रधिसूचना सं. 155—सीमाशुल्क, तारींख 28 मई, 1981 में निम्निजिख त और संशोधन करती है, मर्थात:—

उक्न अधिसूत्रना में, शर्त (ii) ग्रौर (iii) के स्थान पर निम्नलिखित सर्त रखी जाएगी, ग्रथांत्:—

- "(ii) मायातकर्ता निम्नलिखित मागय का वचनपक्ष प्रस्तुत करेगा-
- (क) उक्त मायातित पुर्जों का प्रयोग उत्पर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त श्रायातित पुर्जों का हिसाब सहायक सीमाशुक्क कलक्टर द्वारा विनिर्विष्ट रीति से रखा जाएगा ;

- (ग) वह ऐसे हिसाब की जिनिमाता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित सक्षिप्त उस्त श्रायातित पुर्जी के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में लीन मास की श्रविद्य या ऐसी बढ़ाई मई श्रविध के भीतर, जी सहायक सीमाणुल्क कमक्टर श्रनुञ्जात कर, प्रस्तुत करगा, श्रार
 - (घ) बहु, अपर की बर्त (क), (ब) मा. (ग) का प्रनुपालन करने में प्रसफल रहने की दशा में, माय किए जाने पर, उत्तन रक्षम का सदाय करेगा जा इस अधिनियम म प्रतिबिध्द छूट के न दिए जाने की दशा म उक्त भायातित मास की ऐसी मासा पर उद्युह्णाय शुरक भीर भाषात क समय पहल है। सदल शुरूक के भन्तर क बराबर हैं। "

[फा. स. 528/5/86- सा.शु. (टी.यू.)]

No. 282₁86-CUSTOMS

G.S.R. 701(E).—In exercise of the powers conterred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 155/81-Customs, dated the 28th May, 1981, namely:—

In the said notification, for conditions (ii) and (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

- "(ii) the importer shall jurnish an undertaking to the effect that:—
 - (a) the said imported parts shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said imported parts received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported parts in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported parts but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

JF. No. 528/5 86-Cus(TU)]

सं. 283/8हे -सीमा-शल्क

सा.का.नि 702 (अ):--केन्द्रीय सरकार, सीमाणूल्य अधिनियन, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपद्वारा (1) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधाव हो जाने पर कि

लोक हित में ऐमा करना भाषत्यक है, भारत सरकार के क्रित मंत्रालय (राजस्व विधाय) की अधित्वना स. 153/82—सीमाणूल, तारीख 18 मई, 1982 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्.—

उनत भविसूचना ने, परन्तुक के स्वान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, मर्थात्---

"परन्तु यह तब जब भायातकर्मा निम्निखिखत श्राणय का बचनपत्त अस्तुत करता है,---

- (क) उक्त श्रायातित माल का प्रयोग ऊपर बिनिर्दिण्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;
- (ख) उपयुक्त प्रयोजन के लिए बिनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त भ्रामानित माल का हिताब सहायक कीमाणुल्क कलक्टर द्वारा बिनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएंगा ,
- (ग) वह ऐसे हिमाब की बिनिर्माता द्वारा सम्यक रूप मे प्रमाणित सिक्षप्त उनत भायातित माल के बिनिर्माण के स्थान के परि-सर मे प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की धविद्य या ऐसी बढाई गई धविद्य के भीतर, जो सहायक सीमास्कृत्क कलवटर अनुजात करे, प्रस्तुत करेगा; भीर
- (घ) बहु, ऊपर की शतें (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की देशा में, मांग किए जाने पर, उतने रकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अतिबिध्ट छूट के न दिए जाने की दंशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मादा पर उद्बहणीय सुरूक और आवास के समय पहले ही संदत्त शुरूक के अन्तर के बराबर हो।"

[फा. स. 528/5/86-सी.सू.(टी.सू.)]

No. 283;86-CUSTOMS

G.S.R. 702(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 153|82-Customs, dated the 18th May, 1982, namely:—

In the said notification, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and

(d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) o. (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528]5|86-Cus (TU)]

स . 284/86-सीमा-शृल्क

सा.का.िन. 703(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशृत्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की झारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हिल में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मत्नालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं 29/83—सीमाशृत्क, तारीख 25 फरवरी, 1983 में निम्निकिखित और संशोधन करती है, प्रर्थात.—

उक्त अधिसूचना मे, शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थातु:—

- "(iii) श्रायातकर्ता निम्नलिखित श्रामय का वचनपत्न प्रस्तुत करेगा ;
- (क) उक्त संघटित पुत्रों (जिनमें इंधन सक्षम मोटर कारों के ग्रधं तैयार दशा में पैक ग्रोर पूर्ण तैयार दशा में पैक भी हैं) का प्रयोग उत्पर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए भीर उपयोग में लाए गए उक्त संघटको का हिसाब सहायक सीमाश्रुक्क कलक्टर द्वारा बिनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएमा:
- (ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित सिक्षिन्ति उक्त संघटकों के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की घविष्ठ या ऐसी बढ़ाई गई अविष्ठ के भीतर, जो सहायक सीमाश्चल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; ग्रीर
- (घ) बहु, ऊपर की शत (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा मे, मांग किए जाने पर, उतने रकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना मे अतिविष्ट छूट के न दिए जाने की दशा मे उन्त भाषातित माल की ऐसी माता पर उद्ग्रहणीय सुन्क और भाषात के समय पहले ही संदत्त शुन्क के अन्तर के बराबर हो।"

[फा.स. 528/5/86-सी.सु.(टी.यू.)]

No. 284 86-CUSTOMS

G.S.R. 703(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 29|83-Customs, dated the 25th February, 1983, namely:—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted namely:—

"(iii) the importer furnishes an undertaking to the effect that:

- (a) the said components (including components of fuel efficient motor cars in semi-knocked down packs and completely knocked down packs) shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said components but for the exemption contained herein and that already paid at the time importation."

[F. No. 528|5|86-Cus(TU)]

स 285/86-सीमा-श्हक

सा.का.नि. 704(म्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क म्रधिनिषम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हिंत में ऐसा करना ग्रावश्यक है, भारत सरकार के वित्त मत्रालय (राजस्व विभाग) की मधिसूचना सं. 2/83—सीमाशुल्क, तारीख 1 जनवरी, 1983 में निम्नलिखित ग्रीर संशोधन करती है, ग्रथांत्:—

उक्त ग्रिधसूचना मे, परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, प्रथीत्:---

"परन्तु यह तब जब आयातकर्ता निम्नेलिखित आशय का वचनपत्न प्रस्तुत करता है.—

- (क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त ग्रायातित माल का हिसाब सहायक सीमाग्गुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा;
- (ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संक्षिप्त उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की अविध या ऐसी बढ़ाई गई श्रवधि के मीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अक्तुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतने रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट

के न दिए जा का दशा में उक्त भाषातित माल की ऐसी माला पर उद्ग्रहणाय शुल्क भार भाषात क समय पहले हा सदस शुल्क क अन्तर क बराबर हा।"

[फ. . स. 528/5/86—सो.मु. (टा.मू.)]

No. 285186-CUSTOMS

G.S.R. 704(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1902 (52 of 1902), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following turther amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 2[83-Customs dated the 1st January, 1983, namely:—

In the said notification, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) that he shall maintain an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing the receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 52815]86-Cus(TU)]

स. 286/86-सीमा-श्*र*क

सा.का.ित. 705(अ) — केन्द्रीय सरहार, सीमासुल्क प्रधितियम, 1962 (1962 का 52) की बारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, यह ममाधान हो नाते पर कि लोक हित में ऐसा करना आवण्यक है, भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्व विमाग) की प्रतियुवा सं० 30/83—सोमासुल्क, तारीख 25 फरवरी, 1983 मे निम्नलिखित और संशोधन करती है, प्रथातु:—

उक्त प्रविसूचना में, शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, प्रर्थात्:—

- "(iii) मापातकर्ना निम्नलिखित धात्वय का वचनपत्र प्रस्तुत करेगाः--
- (क) उक्त सपटकों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए प्रौर उपयोग में लाए गए उक्त सघटकी/भायातित माल

का हिसाव सह।यभ सामाणुल्क कलक्टर द्वारा विनिदिष्ट रीति से रखा जाएगा ;

- (ग) वह ऐसे हिसाब को विनिमाता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित साक्षा-त उनत सबदका क विनिमाण क स्थान के परिसर में प्राप्ति क साक्ष्य क रूप म तान मास की प्रविध या ऐसी बढ़ाई गई अविध के भातर, जा सहायक सामाशृत्य कलक्टर अनुझत कर, प्रस्तुत करेगा; द्वार
- (व) वह, जपर का शत (क), (ख) या (म) का अनुपालन करन म असफल रहन का दशा म, भाग किए जान पर, उतने रक्ष का सदाय करगा जा इस अधिसूचना में अतिबिष्ट छूट क न दिशु जान का दशा म उनते आयाति माल का एसा भासा पर उद्बह्णाय शुल्क आर आयात के समये पहले ही सदस मृत्क क अस्तर के बराबर है। "

[फा.स. 528/5/86 -सा.सृ. (टा.यू. /]

No. 286,56-CUSTOMS

G.S.R. 705(E).—In exercise of the powers conferred by suo-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1902 (52 of 1902), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 30-Customs, dated the 25th February, 1983, namely:—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

- "(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—
 - (a) the said components shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the mannerspecified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528|5|86-Cus (TU)]

सं. 287/86-सीमा-णूहक

सा.का.नि. 706(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हिस

में ऐसा करना ग्रावश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्व विभाग) की ग्रधिसूचना सं. 118/83—सीमाशुल्क, तारीख 4 मई, 1983 में निम्नलिखित ग्रीर संशोधन करती है, ग्रर्थान्:——

उक्त अधिसूचना में, शर्त (2) के स्थान पर निम्नलिखित शर्ते रखी जाएंगी, ग्रर्थात:--

- "(2) ग्रायातकर्ता निम्नलिखित ग्राशय का वचनपत्र प्रस्तुत करेगा; —
- (क) उनत संघटक पूर्जों का प्रयोग ऊपर विनिद्ग्ट प्रयोजन ने सिए किया जाएगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए वितिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त संघटक पुर्जों के आयातित माल का हिसाव सहायक सीमाशृत्क क्लब्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा;
- (ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संक्षिप्ति उक्त सघटक पुर्जी के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप मे तीन मास की श्रविध या ऐसी उठाई गई श्रविध के भीतर, जो सहायक सीमाणुल्क कलक्टर श्रनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; श्रीर
- (घ) वह, ऊपर की शतें (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतने रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना मे अंतर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दशा मे उक्त आयातित माल की ऐसी माना पर उद्ग्रहणीय शुल्क और श्रायात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के बराबर हो।"

[फा.सं. 528/5/86-सी.मू.(टी.यू.)]

No. 287/86-CUSTOMS

G.S.R. 706(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 118|83-Customs, dated the 4th May, 1983, namely:—

In the said notification, for condition (2), the following condition shall be substituted, namely:—

- "(2) the importer furnishes an undertaking to the effect that—
 - (a) the said component parts shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said component parts received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose sha'l be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said component parts in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs manuallow: and

(d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a). (b) or (c) an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said component parts but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.".

[F. No. 528|5|86-Cus(TU)]

मं. 288/86 सीमा-शत्क

सा.का.ति. 707(अ): —केन्द्रीय सरकार, सीमा-मुल्क ग्रिवित्तयम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करतें हुए, यह समाधान ही जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना ग्रावश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की ग्रिधिसूचना सं. 320 सीमा-मुल्क, तारीख 21 दिसम्बर, 1983 में निम्नलिखित ग्रीर मंज्ञोधन करती है, ग्रार्थात्:

उक्त अधिसूचना में, अर्त (3) के स्थान पर निम्निलिखित अर्ते रखी जाएंगी, अर्थात :

- "(3) ग्रायातकर्ता निम्नलिखित ग्राशय का वचनगत प्रस्तुत करेगा
- (क) उक्त संबदको का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए प्रतीर उपयोग में लाए गए उक्त संघटकों का हिसाब सहायक सीभा-शुक्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिट रीति से रखा जाएगा;
- (ग) यह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित सिक्षिप्त उक्त सघटकों के विनिर्माण के म्थान के परिसर में प्राप्ति के नाक्ष्य के रूप में र्तान मान की ग्रवधि या ऐसी बढ़ाई गई ग्रवधि के भीतर, जो महायक सीमाशुल्क कलक्टर भनुज्ञात करे, प्रस्तुत करे, ग्रीर
- (घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में अमफल रहने की द्या में, नांग किए जाने पर, उतने रकम का सश्य करेंगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उदत आयातित माल की ऐसी माला पर उद्ग्रहणीय शुक्क और आयात के समय पहले ही सदत शुक्क के अन्तर के बराबर हो।'

[फा.स. 528/5/86/सी.मु. (टी.मू.)]

No. 288 86 CUSTOMS

G.S.R. 707(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 320|83-Customs, dated the 21st December 1983, namely:—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

- "(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—
 - (a) the said components shall be used for the purpose specified above;

- (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.".

IF. No. 528|5|86-Cus/TU)]

सं 289/86-सीमा-शुल्क

सा का.नि. 708(ग्र):—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना ग्रावश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की ग्रिधिसूचना सं. 157.84-सीमाशुल्क, तारीख 19 मई. 1984 में निम्नलिखित ग्रीर सशोधन करती है, ग्रथीत्

उक्त अधिसूत्रना में, शर्त (ग) के स्थान पर निम्नलिखित शर्ने रखी जाएंगी, प्रथिन —

- ''(ग) ग्रायात्कर्ता निम्तलिखित ग्राक्षय का वचनपत प्रस्तुत करेगा—
- (क) उक्त आयातित माल का प्रगोग ऊपर विनिद्धिट प्रयोजन के लिए किया जाएगा
- (ख) उपयंता प्रयोजन के तिए विनिर्माण के रथान पर प्राप्त किए गण और उपयोग में लाए गए उक्त आयानित माल का हिसाब महापक मीमा-णुल्क कलक्टर द्वारा विनिद्धिर रीति में रखा जाएगा,
- (ग) वह ऐसे हिन्तव की विनिर्भाता द्वारा सम्यक् हप से प्रमाणित सिंभित उक्त ग्राय्यितित माल के विनिर्भाण के स्थान के परिसर मे प्राप्ति के साध्य को हप मे तीन मान की ग्रवधि या ऐसी बढ़ाई गई प्रविधि के भीतर, जो महायक सीमाशुल्क कलक्टर ग्रवज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा , ग्रीर
- (घ) वह, उत्तर की णर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दणा में, मांग किए जाने पर, उत्ते रकम का सदाय करेगा जो इस अधिमूचना में अंतिबट्ट छट के न दिए जाने की दणा में उक्त आयातित माल की ऐसी माना पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय परने ही सदत शुन्क के अस्तर के बराबर हो।"

शिम 523/5/86/सी शिटीय)]

No. 289|86-CUSTOMS

G.S.R. 708(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue) No. 157/84-Customs dated the 19th May, 1984. namely:—

In the said notification, for condition (c), the following condition shall be substituted, namely:

- "(c) the importer furnishes an undertaking to the effect that—
 - (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above:
 - (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of maufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (h) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that alreads paid at the time of importation."

T. No. 528 5185 Cus(TU)]

मं 290/ ९६-सीमा-शल्क

ा का ति 709(ग्र) — केन्द्रीय सरकार, सीमाशत्क श्रिवित्रम, 1962 (1963 का 52) की घारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त पक्तियों का प्रयोग करनें ≥ए ग्रुपना यह समाधान हो जाने गर कि लोकदिन में ऐमा करना ग्रावश्यक है भारत सरकार के विल मंहालय (राजस्व विभाग) की श्रिविमुचना मं 219/मीमा-श्रुक, तारीख 10 यगस्त 1994 में तिम्नलिखित ग्रीर संशोधन करती है श्रथांतु

उक्त प्रविसूचना में परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जायेगा ---

"परतु यह तब जबिक ग्रामातकर्ना इस ग्रामय का एक बच्चनबंध प्रस्तुर करता है कि

- (क) उनन प्रायातित माल का उपयोग उत्तर विनिधिष्ट प्रयोजन के निए किया जाएगा .
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में ग्रिभिन्नाप्त ग्रीर उपभोग में लाए गए उक्त ग्रग्यातित माल का एक लेखा सीमाणुक्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा .

- (ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उत्त प्रायानित मान की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्मातः द्वारा सम्यक् रूप से
 - प्रमाणित ऐसे लेखों का उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमाशूल्क सह।यक कलक्टर अनुवात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह, ऊपर शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुंपालन करने मे असफल रहने की दणा मे, माग किए जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इम अधिमूचना मे अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने की दणा मे आयातिन माल की ऐसी माला पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही प्रदत्त शुल्क के अनर के सन्गुल्य हो।

[फा.स. 528/5/86/सी.शु. (टी.यू.)]

No. 290|86-CUSTOMS

G.S.R. 709(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 219|84-Customs, dated 10th August 1984, namely:—

In the said notification, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that:—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, in amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.".

[F. No. 528|5|85-Cus(T[])]

मं. 291/86-पीमा-ग्रक

मा का.नि $710(\pi)$ — केंन्येय मरकार, सीमा-ज्ल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप्रधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह ममाधान हो जाने पर कि लोकहित 136 GV/86—3

में ऐसा करना ग्रावश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की ग्रधिसूचना सं. 247 सीमा-शुल्क, तारीख 27 सितम्बर 1984 में निम्नलिखित ग्रीर सशोधन करती है, ग्रथोत्:—

उक्त ग्रधिसूचना में, शर्त (2) ग्रौर शर्त (3) कें स्थान पर निम्न लिखित शर्ते रखी जाएंगी, ग्रर्थात् :—

- ''(2) श्रायातकर्ता निम्नलिखित श्राशय का वचन-पत्न प्रस्तुत करेगा---
- (क) उक्त मघटको ग्रीर उपस्करों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त मघटको श्रीर उपस्करों का हिमाब सहायक सीमाशुक्क कलक्टर द्वारा विनिद्धिष्ट रीति से रखा जाएगा।
- (ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित सक्षिप्ति उक्त संबदकों और उपस्करों के विनिर्माण के स्थान के पित्सर मे प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की अविधि या ऐसी बढ़ाई गई अविधि के भीतर, जो सहायक सीमाणुलक कलक्टर अनुज्ञान करें, प्रस्तुन करेगा; और
- (घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतने रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतिबिष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी माला पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अंतर के वराबर हो।"

[फा सं० 528/5/86.सी.शु. (टी.यू.)]

No. 291|86-CUSTOMS

G.S.R. 710(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 247/84-Customs, dated the 27th September, 1984, namely:—

In the said notification, for conditions (2) and (3), the following condition shall be substituted namely:—

- "(ii) the importer skall furnish an undertaking to the effect that
 - (a) the said components and equipments shall be used for the purpose specified above:
 - (b) an account of the said components and equipments received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components and equipments in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and

(d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said components and equipments but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528|5|86-Cus(TU)]

सं. 292/86-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 711(अ). — केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम' 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐमा करना आवश्यक है, भारत मरकार के वित्त मत्नालय (राजम्ब विभाग) की अधिसूचना सं. 254—सीमाशुल्क तारीख 8 अक्तूबर 1984 में निम्नलिखित संशोधन करनी है, अर्थात्:—

जक्त ग्रधिसूचना मे शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, ग्रथीत् :---

- "(iii) ग्रायातकर्ता इस ग्रागय का एक बचनबध प्रस्तुत करेगा कि---
- (क) उक्त क्रायातित माल का उपयोग पूर्वोश्त विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान मे श्रिभिप्राप्त और उपभोग मे लाए गए उक्त श्रायानित माल का एक लेखा सीमाशुक्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति मे बनाए रखा जाएगा;
- (ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर मे उक्त ग्रायातित माल की प्राप्ति के साथ्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखो का उद्धरण 3 मास की ग्रविध के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई ग्रविध के भीतर जो सीमाणुल्क सहायक कलक्टर भ्रमुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा,
- (घ) बह, ऊपर (क), (ख) या (ग) का ग्रनुपालन करने में ग्रमफल रहने की दशा मे, माग किए जाने पर, उतनी रकम का सदाय करेगा जो हम ग्रश्चिस्त्वना मे अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त ग्रायानित माल की ऐसी मान्ना पर उद्ग्रहणीय शुल्क और ग्रायान के समय पहले ही संदत्त गुल्क के ग्रन्तर के समतुल्य हो।"

[फा.सं. 528/5/86-सी.मु (टी.यू.)]

No. 292|86 CUSTOMS

G.S.R. 711(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 254-Customs, dated 8th October, 1984, namely:—

In the said notification, for condition (iii). the following condition shall be substituted, namely:--

- "(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that-
 - (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;

- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528'5'86-Cus(TU)]

मं. 293/86-मीमाणल्क

सा.का.नि 712(थ): —केन्द्रीय सरकार, मीमाश्क्ल श्रिष्टिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, ग्रपना यह समाधान हो जाने पर कि नोकहित में ऐसा करना श्रावण्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की ग्रधिसूचना सं. 268/84 सीमाशुक्क तारीख 30 प्रक्तूबर, 1984 में निम्नलिखिन और संशोधन करती है, श्रर्थात:—

उक्त ग्रधिस्चना में, शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्न रखी जाएगी, श्रथीन :----

- "(iii) ग्रायातकर्ता इस ग्राणय का वचनबंध प्रस्तुत करे**गा कि--**-
- (क) उक्त संघटकों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ; 🥞
- (ख) प्वोंक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में धिभिप्राप्त, की गई और उपयोग में लाए गए उक्त संघटकों का एक लेखा सीमाणुल्क महायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा; उक्ष
- (ग) वह बिनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त संघटकों की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखों के उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बढाई गई अवधि के भीतर जो सीमाणुल्क सहायक कलक्टर अनुजात करें, प्रस्तुत करेगा; और
- (भ) वह, ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफन रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिमूचना में अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मान्ना पर उद्ग्रहणीय शुरूक और आयात के समय पहले ही संदन्न शुरूक के अन्तर के समत्त्य हो।

[फा.सं. 528/5/86-सी.शु. (टी.यू.)]

No. 293/86--CUSTOMS

G.S.R. 712(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notation of the Government of India, in the Ministry of Finance, (Department of Revenue) No. 268|84-Customs, dated the 30th October, 1984, namely:—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

- "(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—
 - (a) the said components shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528|5|86-Cus(TU)]

सं. 294/86-सीमाशुक्क

सा.का.िन. 713(ग्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमाञ्चुरूक श्रिष्ठित्तयम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना ब्रावश्यक है, भारत सरकार के किन मंखान्तव्र (राजस्व विभाग) की ग्रिधिसूचना सं. 7-सीमाजुरूक, तारीख 16 जनवरी, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, ग्रर्थान्:—

उन्तर प्रधिसूचना में शर्त (3) के स्थान पर निक्निविद्यत नर्श रखी जाएगी, प्रथीत् :---

- "(3) ग्रायातकर्ता इस अवस्य का वचनशंत्र प्रस्कृत करेगा कि--
- (क) उक्त संघटक या माल का उपयोग पूर्वोक्त विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर ऋभिप्राप्त किए गए और उपभोग में लाए गए उक्त संघटक या माल का एक लेखा सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा,
- (ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त संघटक या माल की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखाओं का उद्धरण 3 मास की श्रविधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई श्रविधि के भीतर जो सीमाशुस्क सहायक कलक्टर श्रन्ज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (थ) बहु ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असप्तरूप रहने भी क्या में, मांच किए जाने पर, उखनी रक्तम का संस्थाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छुट न किए जाने की

दशा में आयातित माल की ऐसी माला पर उद्ग्रह्णीय शुल्क और ग्रायात के समय पहले ही संसद शुल्क के अन्तर के समयुल्य हो

[फा.सं. 528/5/86-सी.सू. (टी.यू.)]

No. 294 86-CUSTOMS

G.S.R. 713(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of india, in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 7—Customs, dated the 16th January, 1965, namely:—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

- "(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—
 - (a) the said components or the goods shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said components or the goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components or the goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantities of the said imported components or the goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528|5|86-Cus(TU)]

सं. 295/86-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 714(र्ग): — केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क ग्राह्मित्यम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए प्रपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना धावश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की श्रिधसूचना सं. 10—सीमाशुल्क, तारीख 16 जनवरी, 1985 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, ग्रथींत्:—

उक्त ग्रधिसूचना में जर्न (3) के स्थान पर निम्नलिखित क्षर्त रखी जाएगी, ग्रथींत् :—

- "(3) स्रायातकर्ता इस भाषाय का एक वजनबंध प्रस्तुत करेगा कि:—
 - (क) उथरा संघटकों का उपयोग उत्तर धिनिक्टि प्रयोजन के लिए किया जाएगा :

- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर ग्रिभिप्राप्त किए गए और उपभोग मे लाए गए उक्त सघटको का एक लेखा सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति मे बनाए रखा जाएगा;
- (ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर मे उक्त सघटकों की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक्रूप से प्रमाणित ऐसे लेखा का एक उद्धरण 3 मास की श्रविध के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई श्रविध के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर ग्रनुज्ञान करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह, शर्त उपर (क), (ख) या (ग) का ग्रनुपालन करने में ग्रसफल रहने की दशा में, माग किए जाने पर, उतनी रकम का सदाय करेगा जो ६न ग्रधिसूचना में अतिबिध्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त ग्रायातित माल की ऐसी माला पर उद्ग्रहणीय शुक्क और आयात के समय पहने ही संदत्त शुक्क के अन्तर के समत्वत्य हो।"

[फा.स. 528/5/86-सो.गु. (टी.यू.)]

No. 295/86-CUSTOMS

G.S.R. 714(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Mininistry of Finance, Department of Revenue No. 10—Customs, dated the 16th January, 1985, namely:—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall oc substituted, namely:—

- "(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—
 - (a) the said components shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528]5[86-Cus. (IU]

सं. 296/86-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 715(ग्र). — केन्द्रीय संग्कार, सीमाणुल्क श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त

मिक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान यहां जाने पर कि लोकहित मे ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के विन्न मंत्रालय रैराजस्व विभाग) की अधिसूचना स. 39-सीमाशुल्क तारीख 28 फरवरी, 1985 मे निम्नलिखित और सशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त ग्रधि सूचना मे,---

- (क) शर्त (ii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त खी जाएगी, भर्थान :---
- "(ii) ब्रायातकर्ता निम्नलिखित श्राणय का वचनपत्न प्रस्तुत करता है, ---
 - (क) उक्त भाषातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयाजन के लिए किया जाएगा;
 - (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के म्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाग गए उक्त आयातित माल का हिसाब सहायक संमाशुक्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा;
 - (ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित सक्षिप्त उक्त प्रायानित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर मे प्राप्ति के साक्ष्य के रूप मे तीन मास की भ्रविधि या ऐसी बढ़ाई गई भ्रविध के भीतर, जो सहायक सीमा-शुक्क कलक्टर अनुजात करे, प्रस्तुत करेगा,, श्रोर
 - (घ) बह, उपर की णतंं (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर उतनी रकम का सदाय करेगा, जो इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी माता पर उद्गहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही सदत्त शुल्क के अतर के बराबर हो, और";
 - (ख) शर्त (iii) ग्रीर शर्त (iv) के अन्त मे प्राने वाले लब्द "मौर" का लोप किया जाएगा।

[फा.स. 528/5/86-सी.गु. (टी.यू.)]

No. 296|86-CUSTOMS

G.S.R. 715(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 39-Customs, dated the 28th February, 1985, namely:—

In the said notification (a) for condition (ii), the following condition shall be substituted, namely:—

- "(ii) the importer furnishes an undertaking to the effect that:
 - (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported

- goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable, on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."
- (b) the word "and" occurring at the end of condition (iii) and condition (iv) shall be omitted.

[F. No. 528|5|86-Cus(TU)]

सं. 297/86-सीमा-शुल्क

मा.का.नि. 716(x): \rightarrow केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क श्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना ग्रावश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजम्ब विभाग) की श्रधिसूचना सं. 75—सीमा-शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, श्रथीत्:—

उक्त ग्रिधिसूचना में शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, ग्रर्थात् :---

- "(iii) श्रायातकर्ता इस स्राशय का एक वचनबंध प्रस्तुत करेगा कि:--
- (क) उक्त श्रायातित माल (ग्रपरिष्कृत सामग्री से भिन्न) का उपयोग उपरोक्त विनिर्दिष्ट प्रयोगन के लिए किया जाएगा;
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में ग्रिभिप्राप्त किए गए ग्रीर उपभोग में लाए गए उक्त ग्रायातित माल का एक लेखा सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा ;
- (ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त भाषातित माल की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखाओं का उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमा-शुल्क सहायक कज़क्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह, ऊपर (क), (ख) या (ग) का ग्रनुपालन करने में ग्रसफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस ग्रधिसूचना में ग्रंतिंबिष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त ग्रायानित माल की ऐसें माद्रा पर उद्ग्रीहणीय शुल्क ग्रौर ग्रायात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के ग्रन्तर के समतुल्य हो।"

[फा.सं. 528/5/86-सी.श्. (टी.य.)]

No. 297/86—CUSTOMS

G.S.R. 716(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 75 Customs, dated the 17th March, 1985, namely:—

In the said notification for the condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

- "(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that:
 - (a) the said imported goods (other than raw materials) shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacturer within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528/5/86-Cus (TU)]

सं. 298/86-सीमा-शुल्क

मा.का.नि. $717(\pi)$: —केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क श्रिधिनयम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, श्रपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना श्रावश्यक हे, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की श्रिधिसूचना सं. 216—सीमा-शुल्क, तारीख 3 जुलाई, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, श्रथांत:—

उक्त ग्रधिसूचना में शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित जर्त रखी जाएगी, ग्रर्थात :---

- "(iii) ग्रायातकर्ता इस श्राक्षय का एक वचनबंध प्रस्तुत करेगा कि:-
- (क) उक्त संघटकों का उपयोग ऊपर विनिद्धिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में ग्रिभिप्राप्त किए गए और उपभोग में लाए गए उक्त संघटकों का एक नेखा सीमा-गुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा;
- (ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त संघटकों की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखाओं का एक उद्धरण 3 मास की अविध के भीतर या ऐसे बढ़ाई गई अविध के भीतर जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा, और
- (घ) वह, ऊपर (क), (ख) यः (ग) का अनुपालन करने मं अप्रसम्भ रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का रादाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी माता पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।"

[फा.सं. 528/5/86-सी.शु. (टी.यू.)]

NO. 298|86-CUSTOMS

G.S.R. 717(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 216-Customs, dated the 3rd July 1985, namely:—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:

- (iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that:—
 - (a) the said components shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to emoply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528|5|86-Cus(TU)]

स. 299/86-नीमा-शुल्क

मा का नि. 716(म्र) — केन्द्री सरकार, सामा-मुक मिर्धानयम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपनारा (1) द्वारा प्रदल्त विकास का प्रयोग करने हुए, प्रपत्ता यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित मे ऐसा करना प्रातंत्र्य ह है, भारत सरकार के वित्त मज्ञालय (राजस्व विभाग) की मिर्मित्रवा स. 348/85—सीमा-मुल्क, तारीय 5 दिसम्बर, 1985 मे निम्नित्रिक्त रागोधन करनी है, मर्थात —

उक्त श्रश्चित्रवना न शर्भ (iii) के त्यान पर निम्ननिधित शर्त रखः। जाएगी, ग्रथीत् ---

- "(iii) आयातकर्ता इस आशय का एक वचनबथ प्रस्तुत करेगा कि —
 - (क) उक्त संघटका का उपयोग पूर्वोंक्त त्रिनिदिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;
 - (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में ग्राभिप्राप्त किए गए और उपभाग में लाए गए उक्त संघटकों का एक लेखा सीमा-णुल्ट सहायक कलकटर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएना,
 - (ग) बह विनिर्भाण के स्थान की परिसर में उक्त संघटकों की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा तस्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखाओं का उद्धरण 3 मास की अविध के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई शबक्षि के भीतर जो सीमा-शुरूक सहायक कलक्टर अनुजात करे, प्रस्तुत करेगा; ग्रौर

(घ) बह, ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालम करने में ग्रसफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतनी अकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में ग्रतिबिष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी माला पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही सदत्त शुल्क के अन्तर के समयुल्य हो।"।

[का.स. 528/5/86-सी.सु. (टी.सू.)]

NO. 299|86-CUSTOMS

G.S.R. 718(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 348|85-Customs, dated the 5th of December 1985, namely:—

In the said notification for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

- "(iii) The importer shall furnish an undertaking to the effect that—
 - (a) the said components shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528|5|86-CUS(TU)]

मं. 300/86-सीमा-शुल्क

सा.का.िल. 719(य):—केन्द्रीय सरकार सं मा-सुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते दूर, प्रपता यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना श्रावस्थक है, भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्य विभाग) की श्रविसूचना सं. 350/85-सीमा-गुल्क तारीख 5 दिसम्बर, 1985 में निम्नलिखित संयोधन करती है, श्रर्थात:—

उक्त प्रधितूजना में शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, प्रयात् :---

- ''(iii) प्रायानकर्ता इस प्राणय का एक वत्रनबंध प्रस्तुत करेगा कि—
- (क) उक्त अप्रयातिन माल (अपरिष्कृत सामग्री से भिन्न) का उपयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में अभिप्राप्त किए गए और उपभोग में लाए गए उक्त माल का एक लेखा सीमा-शुक्क सहायक कलक्ष्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा;

- (ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर मे उक्त श्रायानित माल की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप चिनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से
- अमाणित ऐसे लेखाओं का उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बढाई गई अवधि के भीतर जो सीमा-शुल्क महायक कलक्टर अनुझात करे, प्रस्तृत करेगा, और
- (घ) वह, ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, माग किए जाने पर, उतनी रकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अर्तीवष्ट छूट न दिए जाने की दशा में, उक्त आयातित माल की ऐसी माला पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही सदत्त शुल्क के अन्तर के समतुत्य हो।"।

[फा स. 528/5/86-सी शु (टी यू)]

NO. 300|86-CUSTOMS

G.S.R. 719(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interst so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No 350|85-Customs, dated the 5th December 1985, namely:—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

- "(iii) The importer shall furnish an undertaking to the effect that—
 - (a) the said imported goods (other than raw materials) shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
 - (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528 5 86-CUS(TU)] सं 301/86-सीमा-सुल्क

सा का. नि 720(ग्र) : — केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपघारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्सियों का प्रयोग करते हुए, ग्रपना यह समन्धान हो जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना ग्रावश्यक है, भारत सरकार के विन्न मंत्रालय (राजस्व विभाग) की ग्रिधिसूचना सं 351/85—सीमा-शल्क, तारीख 5 दिसम्बर, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, ग्रर्थात् —

उक्त ग्रधिसूचना मे शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, ग्रर्वात् :---

- ''(iii) श्रायातकर्ता इस श्राशय का एक वचनबन्न प्रस्तुत करेगा कि —
- (क) उक्त आयातित माल (अपरिष्कृत सामग्री से भिन्त) का उपयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा,
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए वितिर्माण के स्थान मे श्रिमप्राप्त किए गए और उपभोग मे लाए गए उक्त माल का एक लेखा सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति मे बनाए रखा जाएगा.
- (ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर मे उक्त आयातित माल की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखों का उद्धरण 3 मास की अविध के भीतर या ऐसी बढाई गई अविध के भीतर जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा, और
- (ष) वह, ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफ्ल रहने को दशा मे, माग किए जाने पर, उतनी रकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अतिबिष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी माला पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही सदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्ये हो।"।

[फा स. 528/5/86-सी शु (टी **यू**)]

NO 301/86-CUSTOMS

GS.R. 720(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 351|85-Customs, dated the 5th December, 1985, namely—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:

- "(iii) The importer shall furnish an undertaking to the effect that—
 - (a) the said imported goods (other than raw materials) shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufaturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow and
 - (d) he shall pay on demand in the event of his failure to comply with (a) (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already raid at the time of importation."

[F No 528|5|86-CUS(TU)]

मं ३०१/१६-सीमा-शल्क

मा का नि 721(म्र) — केन्दीय सरकार, सीमाशल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त

मिनियों का पानेग करते हुए यह नवाबान हो जो पर कि नार्धहित मे ऐसा करना पानव्यव है, भरत सरकार व वित्त स्वातंप (राज्यव विभाग) की प्रतिपूतना स 155-पीसा-गुक तरीख 1 मार्च 1986 मे निम्निविखन स्रोर सर्वातन करनी है, अर्थात् --

उक्त ग्रधिस्वना म, शर्न ([,]) के स्थाा पर निम्निविखित शर्न रखी जाएगी ग्रर्थात् —

- '(2) ग्रायातकर्ता निम्तलिबित ग्राणय का वचनपत्र प्रस्तुत करेगा —
- (क) उक्त स्रायानित पुत्री का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ,
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के तिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए श्रार उपयोग न ताए गए उक्त आधातित पुर्जों का हिसाब महायक सोना शहर प्रतिपट हारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा .
- (ग) वह एमे हिमाब की विनिर्मात हारा सम्यक् रूप से प्रमाणित सिन उनन प्रायानित पुत्तों के निनिर्माग के स्थान के परिसर मे प्राप्ति है साथ्य के राग ने तोन भाग की प्रविध या ऐसा वढाई गई सामि के भीना, ता सत्यक न गान्मुलक कानक्टर प्रमुवान कर, प्रस्तुत का गा, सौर
- (घ) बहु, उत्तर को गर्न (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने म जनफल रहने की दणा से, मान किए जाने पर, उत्तन दक्तम का सदाय करेगा ता इस मधिसूचना से प्रतिबिच्ट छूट के न दिए जाने की दणा में उक्त आवातिन माल की ऐसी माबा पर उद्ग्रहणीय खुल्क और आयात के समय पहले ही सदत्त णून के अन्तर के बराबर हा। '।

[फा. म 528, 5, 36-सी. मु. (टे.यू)]

NO. 302,86-CUSTOMS

G.S.R. 721(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Mini try of Finance (Department of Revenue) No. 155-Customs, dated the 1st March, 1986, namely:—

In the said notification, for condition (2), the following condition shall be substituted, namely:—

- "(2) the importer farnishes an undertaking to the effect that—
 - (a) the said imported parts shall be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said imported parts received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Cellector of Customs;
 - (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported parts in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and

(d) he sha'l pay on demand, in the event of Inc. failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.".

[F. No. 528|5'86-CUS(TU)]

स ३०३/५६-सीमा-शृतक

सा.का.नि. 722(च) — केन्द्रीय सरवार, सीमा-शुक्त ग्रिधिनिमय, 1962 (1962 वा न्य) की प्रारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरवार के वित्त मवालय राजस्व श्रीर बैंकिंग विशाग या राजस्व श्रीम वीमा विभाग या राजस्व विभाग की नीचे श्रमुची म प्रिनिर्दिष्ट प्रविमुचनाओं को विखंडित करती है —

ग्रनसूची

- 1 165/76-सीमा-गुल्क, नारीख 2 अगस्त, 1976
- 2 220/76-सोना-शृल्क, तारोख 2 ग्रनस्त, 1976
- 3 226/76-मो ॥-ग्रह, नारीख 2 अगस्त, 1976
- 4 208/78-पोमा-शुल्क, तारीख 11 नवम्बर, 1978
- 5 80/79-र्मास-गुल्क, तारीख 31 मार्च, 1979
- 6 127/79-पोभा-गुक, गारीख 2 चून, 1979
- 7 321/83-गोपा-गुल्क, नारीख 23 दिसम्बर, 1983
- 8 117/85-गोगा-गुन्क तारीच 1 स्रप्रैल, 1985

[फ स. 528/5/86-सी शू (टो.यू.)] एम एन. विश्वाम, श्रवर सचिव

NO. 303|86-CUSTOMS

G.S.R. 722(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 24 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do hereby reseinds the notifications of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue and Banking or Department of Revenue, as the case may be, specified in the Schedule below:

SCHEDULE

- 1 165/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 2 220¹76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 3. 226/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 4. 208/78-Customs, dated the 11th November, 1978.
- 5. 80|79-Customs, dated the 31st March, 1979.
- 6. 120/79-Customs, dated the 2nd June, 1979.
- 7. 324|83-Customs, dated the 23rd December, 1983.
- 8. 117'85-Customs, dated the 1st April, 1985.

IF. No. 528|5|86-CUS(TU.,M. N. BISWAS, Under Secv.